हरिभूमि

सीहोर भूमि फ्रंट पेज

भोपाल, सोमवार 11 अगस्त 2025

सीहोर | भैरुंदा | रेहटी | इछावर | कोठरी | श्यामपुर | शाहगंज | कालापीपल | जावर

06 अंचलों में निकली यात्रा, लड़ाए डंडे छोटों ने ...

08 रक्षा बंधन के दूसरे दिन कुशवाह समाज ने...

खबर संक्षेप

30 अगस्त तक फसल बीमा करा सकेंगे किसान

सीहोर। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विकास विभाग ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत बीमा की तिथि बढ़ा दी है। अऋणी किसानों के लिए खरीफ फसलों का बीमा कराने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 14 अगस्त कर दी है तथा ऋणी किसानों के लिए अंतिम तिथि बढ़ाकर 30 अगस्त कर दी गई है। जिन किसानों ने बैंकों से केसीसी लिया है और उनका बीमा बैंक द्वारा किया जाता है। अऋणी किसान सहकारी बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, अन्य राष्ट्रीयकृत बैंक, जन सेवा केंद्र तथा सीएससी ऑनलाइन पर जाकर फसल बीमा करा सकते हैं। ताकि फसल नुकसानी के समय किसानों को फसल बीमा योजना का लाभ मिल सकें।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शनः यात्राओं के लिए आवेदन आमंत्रित

सीहोर।शासन के धार्मिक न्यास और धर्मस्व विभाग द्वारा मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना अंतर्गत जिले से दो यात्राओं का आयोजन किया जाना है। जिसमें वाराणसी-आयोध्या यात्रा 13 अगस्त से 18 अगस्त तक एवं तिरूपति यात्रा 24 सितम्बर से 29 सितम्बर तक आयोजन किया जाना हैं। तीर्थ यात्रियों की उम्र पुरूष की 60 वर्ष एवं महिला की 58 वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए एव उन्हें सहायक की पात्रता होगी। यदि जिले में आवंटित निर्धारित कोटा से अधिक आवेदन प्राप्त होते हैं, तो ऐसी स्थिति में यात्रियों का चयन कम्प्यूटराइज्ड लॉटरी सिस्टम से किया जाएगा। आवेदक आवेदन नगर पालिका, नगर परिषद एवं जनपद में जमा कर सकते हैं।

कृषि आधारित उद्योग लगाने पर मिलेगी 50 प्रतिशत सब्सिडी

सीहोर। किसानों को कृषि आधारित उद्योग लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। कृषि उद्योग समागम मेला भी लगाए जा रहे हैं। कृषि आधारित उद्योग लगाने वाले किसानों को 50 प्रतिशत तक की सब्सिडी दी जाएगी। कृषि उद्योग से जुड़े रोजगार परक कारखाने बनायेंगे, जहां काम करने वाले को 5 हजार रुपये महिने भी दिये जायेंगे। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गाडरवारा में गौशाला निर्माण किए जाने और सुगम परिवहन सेवा भी उपलब्ध के अवसर पर कही। उन्होंने कहा कि गरीब, युवा, किसान और महिला सशक्तीकरण की दिशा में तेजी से कार्य हो रहे हैं और इसका समाज में व्यापक असर भी दिख रहा है।

गांव में लहंगे गीतों संग किसानों ने अनोखे अंदाज में मनाई भुजरिया

उत्साह से मनाया भुजरियां पर्वः नदी में उतरकर ग्रामीणों ने नाचते गाते किया भुजरिया विजर्सन

भारतीय संस्कृति में प्रकृति के प्रति अगाध प्रेम एवं सम्मान के महत्व को प्रदर्शित करने वाले लोक आस्था के पावन पर्व भुजरिया पर लोग नृत्य करते भी देखे गए।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

नगर के ग्वालटोली क्षेत्र सहित जिले भर में रविवार को यादव समाज द्वारा भुजरिया पर्व पारम्परिक रूप से मनाया जा रहा है। बताया गया है की हरियाली का संदेश देने वाले इस पर्व पर लोगों ने एक दूसरे को भुजरिया देकर बधाई और शुभकामनाएं दी।

प्रकृति की गोद में पले लोक-संस्कारों,पारंपरिक आस्था और सामूहिक उत्साह का प्रतीक भुजरिया-कजलियां पर्व आपसी सद्भाव, भाईचारे और खुशहाली का संदेश देता है। प्रकृति प्रेम, लोक संस्कृति और गौरवशाली परंपरा की अभिव्यक्ति के पर्व भुजरिया की सभी सभी ने एक दूसरे को हार्दिक शुभकामनाएं दी। ईश्वर से प्रार्थना कि है कि सभी के जीवन में सदैव सुख-समृद्धि बनी रहे, धन-धान्य से परिपूर्ण रहें, अच्छी फसल हो तथा राष्ट्र उन्नति करे।

भारतीय संस्कृति में प्रकृति के प्रति अगाध प्रेम एवं सम्मान के महत्व को प्रदर्शित करने वाले लोक आस्था के पावन पर्व भुजरिया पर लोग नृत्य करते भी देखे गए। पार्षद घनश्याम यादव ने कहा कि प्रभु की कृपा से संपूर्ण जगत में सकारात्मकता का संचार हो, सभी का जीवन सुख, शांति एवं समृद्धि से परिपूर्ण हो, मेरी यही प्रार्थना है। यादव ने बताया कि हर साल भूजरिया पर पर पहले नदी जाते हैं और भूजरिया पानी में समर्पित करने के बाद शेष भुजरिया को एक दूसरे को देकर बधाई दी जाती है।

गांव में लहंगे गीतों संग किसानों ने अनोखे अंदाज में मनाई भुजरिया

परंपरा और संस्कृति को जीवंत रखने का अनोखा नजारा ग्राम चंदेरी, रामखेड़ी, उलझावन और कुलाश में देखने को मिला, जहां दर्जनों किसानों ने भुजरिया पर्व को पुराने अंदाज में मनाया। किसान व समाजसेवी एमएस मेवाड़ा के नेतृत्व में यह आयोजन गांव में उत्साह और उमंग के साथ हुआ। भुजरिया पर्व पर किसानों ने लहंगे गीत गाए, ढोल-मजीरे की थाप पर नाचते हुए गांव में शोभायात्रा निकाली। लकड़ी के ऊपर नाचते कलाकारों ने माहौल को और भी रंगीन बना दिया। रक्षाबंधन के पड़वा के दिन मनाए जाने वाले इस पर्व में ग्रामीण नदी में उतरकर पानी में भी नाचते और लहंगे गीत गाते हैं।

इस अनोखी परंपरा में ग्रामीण महिलाएं और पुरुष दोनों शामिल हुए। ढोल की थाप और गीतों की मिठास ने पूरे गांव को भक्ति और लोक-संस्कृति की धुन में बांध दिया। यह दृश्य आज के समय में बहुत कम देखने को मिलता है, लेकिन इन किसानों ने यह साबित कर दिया कि संस्कृति को जिंदा रखने के लिए सिर्फ भाव और समर्पण चाहिए।

घायल युवकों को कराया भर्ती

सीहोर।हकीमाबाद की घाटी पर दो बाइक आपस में टकराई जिससे दोनों बाइक चालक गंभीर घायल हो गए। शुक्रवार को योगेश मालवीय ग्राम मेना और हरिओम विश्वकर्मा ग्राम टकराई निवासी की बाइक आपस में हक़ीमाबाद घाटी पर टकराई। जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। वहां से निकल रहे ग्राम कोठरी निवासी राधेश्याम बामनिया ने घायलों को आष्टा के सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया और उनके परिजनों को सूचना भी दी।

समग्र आईडी एवं आधार कार्ड से ईकेवाईसी आवश्यक

सीहोर। सभी आमजन को को सूचित किया गया है कि शासन द्वारा संचालित सभी योजनाओं एवं शासकीय कार्यों का लाभ लेने के लिये सभी खाताधारक, भूमि स्वामियों, प्लॉट-भूखण्ड, मकान मालिकों जिनके नाम खसरा रिकार्ड में दर्ज हैं उन्हें अपने-अपने भू-खण्ड एवं कृषि भूमियों का समग्र आई.डी. एवं आधार कार्ड से ईकेवाईसी कराना आवश्यक है। अगर आप अपनी भूमियों की हेरा-फेरी एवं जमीन संबंधी गड़बड़ियों से बचना चाहते और अपने भूखण्ड, मकान, दुकान कृषि भूमि को सुरक्षित रखना चाहते हो तो आप सभी अपने नजदीकी सीएससी कंप्यूटर सेंटर पर जाकर अपनी-अपनी कृषि भूमियों, भूखण्डों, प्लाट एवं मकानो की ईकेवाईसी अवश्य कराएं और शासन की योजनाओं का लाभ ले सकते हैं और होने वाली धोखाधड़ी तथा असुविधा से बच सकते हैं। ईकेवाईसी के लिए अपने साथ समग्र आई.डी, आधार कार्ड, जन्म तिथि से संबंधित कोई भी दस्तावेज, मोबाईल नम्बर, खसरा नकल साथ में लें जाएं और शीघ्र अतिशीघ्र केवाईसी करवाएँ।

दिव्यांग-कल्याण विकास परिषद संपूर्ण भारत सीहोर शाखा ने निकाली तिरंगा यात्रा

सीहोर। दिव्यांग एवं कल्याण विकास परिषद संपूर्ण भारत शाखा सीहोर के सदस्यों ने आज सीहोर बस स्टैंड से लेकर टाउन हॉल तक तिरंगा यात्रा निकाली। मीडिया प्रभारी नरेश मेवाड़ा ने बताया की इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य राष्ट्र प्रेम, शहीदों के बलिदान को याद करना और नई पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास से परिचित कराना है।

इस यात्रा के माध्यम से पूरे शहर में देशभक्ति का माहौल बन गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में हर घर तिरंगा अभियान देश भक्ति की लहर पैदा कर रहा है। इसी सोच के साथ दिव्यांग कल्याण एवं विकास परिषद संपूर्ण भारत शाखा सीहोर के सदस्यों ने तिरंगा यात्रा निकाली है। तिरंगा हमारे गौरव एकता और स्वतंत्रता का प्रतीक है। ज्ञात हो कि 15 अगस्त 2025 को भारत 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाएगा। यह दिन सिर्फ आजादी का जश्न नहीं, बल्कि उन लोगों की याद भी है जिन्होंने देश के लिए बलिदान दिया। यह हमें गर्व देता है और सिखाता है कि इस आजादी को आने वाली पीढ़ियों के लिए संभालकर रखना है। प्रबंधक उमा चौरसिया ने कहा कि 15 अगस्त के उपलक्ष्य में अभियान चलाया जा रहा इसलिए तिरंगा यात्रा निकाल रहे। प्रभारी कमलेश राठौर ने कहा कि हम संगठन के माध्यम से भारत में मैसेज देना चाहते है कि तिरंगा एकता, शांति का प्रतीक है एकता बनी रहना चाहिए।

इस दौरान प्रभारी, प्रबंधक उमा चौरसिया कमलेश राठौर, नरेश मेवाड़ा मीडिया प्रभारी, लखन विश्वकर्मा, गौपाल,कैलाश सिंह जा वरिया, पर्वत सिंह वर्मा, शिवराज पवार, अध्यक्ष प्रतिनिधि विष्णु दांगी, नेपाल सिंह दांगी, सूरज सिंह परमार, अंजली, जैनब, हुकुम समेत कई सदस्य मौजूद थे।

सांसद शर्मा ने निभाया वादा, दिव्यांगजनों के खातों में पहुंचाए 3-3 हजार रुपए

सीहोर। राजनीति में अक्सर वादे हवा हो जाते हैं, लेकिन भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने दिव्यांगजनों से किया गया वादा पूरा कर एक मिसाल पेश की है। उन्होंने अपनी सांसद निधि से 3000-3000 की आर्थिक सहायता सीधे दिव्यांगजनों के खातों में पहुंचाई है।

बता दें सांसद आलोक शर्मा बीते दिनों सीहोर जिला मुख्यालय के दौरे पर आए थे। दरअसल, वह खासतौर से दिव्यांगजनों से मुलाकात करने और उनकी समस्याओं को सुनने के लिए आए थे। इस दौरान दिव्यांगजनों द्वारा सांसद शर्मा को अनेक समस्याओं से अवगत कराया था। इस दौरान सांसद शर्मा ने दिव्यांगजनों से वादा किया था वह उनकी समस्याओं को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के समक्ष भी पहुंचाएंगे। दिव्यांगजनों से किए वादे अनुसार बीते दिनों ही सांसद श्री शर्मा ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र के माध्यम से दिव्यांगजनों की समस्याओं से अवगत कराया।

खाते में पहुंचाई राशि

सीहोर दौरे के दौरान कार्यक्रम के दौरान मौके पर मौजूद दिव्यांगजनों को 3-3 हजार रुपए देने का वादा किया था। सांसद शर्मा ने मौके पर ही दिव्यांगजनों से आधार कार्ड, दिव्यांगता प्रमाण लिए थे और उन्होंने 8 दिन में यह राशि सीधे खाते में पहुंचाए जाने की बात कही थी। उनके वादा का यह असर रहा कि दस्तावेज उपलब्ध कराने वाले सभी दिव्यांगजनों के खाते में राशि पहुंच गई। दिव्यांगजन कल्याण संगठन के जिलाध्यक्ष सुखवेंद्र सिंह और नरेश मेवाड़ा ने बताया कि 4 अगस्त को सांसद की ओर से खाते में 3-3 हजार रुपए राशि आ गई है। हालांकि बता दे सांसद श्री शर्मा की ओर से यह राशि एक बार के लिए ही थी।

इंटर स्कूल फुटबाल प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंची आरएसआई और केंद्रीय विद्यालय

सीहोर। शहर के चर्च मैदान पर जिला फुटबाल एसोसिएशन के तत्वाधान में खेली जा रही इंटर स्कूल फुटबाल प्रतियोगिता के फाइनल में दो टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में स्थान पक्का किया। इसमें आरएसआई-केन्द्रीय विद्यालय शामिल है। इस मौके पर एसोसिएशन के सचिव मनोज कन्नोजिया आदि ने दोनों ही टीम के खिलाड़ियों को बधाई दी। एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि इंटर स्कूल प्रतियोगिता के दो सेमीफाइनल मैच खेले गए थे, इसमें पहला मैच केन्द्रीय विद्यालय और सेंट एनिस के मध्य खेला गया। इसमें केन्द्रीय विद्यालय ने सेंट एनिस को 1-0 से हराया। इस मैच में एक मात्र गोल रोहन ने केन्द्रीय विद्यालय की ओर से किया। इसके अलावा दूसरा सेमीफाइनल मैच आरएसआई और लुर्द माता के मध्य खेला गया। इसमें आरएसआई की टीम कांटे की टक्कर में 1-0 से विजय रही। इस मैच में केन्द्रीय विद्यालय की टीम ने पहले ही हाफ में गोल कर बढ़त बना ली थी। केन्द्रीय विद्यालय की ओर से एक गोल रोहन ने किया।

कुबेरेश्वरधाम पर भक्ति और आस्था का अदभुत संगम

कंधे पर कांवड़ और 400 किमी की पैदल यात्रा बोल बम के जयकारे के साथ पहुंचे शिव भक्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

जिला मुख्यालय के समीपस्थ कुबेरेश्वरधाम पर इन दिनों सावन के पश्चात भी भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम दिखाई दे रहा है। महाराष्ट्र से बड़ी संख्या में कांवड़ लेकर श्रद्धालु पहुंच रहे है। हर तरफ हर-हर महादेव का जयकारा गूंज रहा है, कांवड़िए अपने कंधे पर कांवड़ लेकर आते-जाते दिख रहे हैं, हम आपको ऐसे कांवड़ियों के दल के बारे में बता रहे हैं, जो सैकड़ों किलोमीटर दूर से कांवड़ में पवित्र जल लेकर भोलेनाथ को जलाभिषेक करने के लिए आए है और रविवार को इन श्रद्धालुओं ने आस्था और उत्साह के साथ पूजा अर्चना की ओर बाबा का अभिषेक किया।

विठलेश सेवा समिति के मीडिया प्रभारी मनोज दीक्षित मामा ने बताया कि महाराष्ट्र के अकोला निवासी राजेश ने बताया कि वह करीब 400 किलोमीटर से अधिक पैदल चलकर धाम पर पहुंचे है। भव्य प्रतिमा से सुसज्जित करीब 200 किलो वजनी पालकी को कंधे पर उठाकर चलना, इन कांवड़ियों के लिए सिर्फ भक्ति का प्रतीक नहीं बल्कि भोलेनाथ की कृपा का प्रत्यक्ष प्रमाण है। पांच कांवडियों ने विशेष पूजा अर्चना की। इस मौके पर समिति की ओर से पंडित विनय मिश्रा सहित अन्य ने कांवड लेकर पहुंचे इन श्रद्धालुओं का स्वागत और सम्मान किया।

रविवार को पहुंचे 20 हजार से अधिक श्रद्धालु

दीक्षित ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा की प्रेरणा से इस कलियुग में एक बार फिर से शिव युग की वापसी हुई है। देश और विदेश में भगवान शिव के मंदिरों में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है और सनातन धर्म मजबूत होकर उभर रहा है। रविवार को भादो का पहला दिन था और पंडित श्री मिश्रा ने भुजारिया पर्व के अवसर पर श्रद्धालुओं से भेंट की। सावन माह का समापन शनिवार को हो गया है इसके साथ ही भादों माह की शुरुआत हो गई है। सावन के समापन के साथ ही भादों माह के वात, त्योहार और धार्मिक आयोजन शुरू हो जाएंगे। इस माह में कृष्ण जन्माष्टमी, गणेश चतुर्थी जैसे प्रमुख पर्व आते हैं।

हालांकि, महाराष्ट्रीयन समाज के लिए सावन का रंग अभी फीका नहीं पड़ेगा। उनके पंचांग के अनुसार सावन माह अभी आगामी दिनों तक चलेगा। वहीं प्रतिदिन बड़ी संख्या में महाराष्ट्र के श्रद्धालु बाबा का आशिर्वाद लेने और अभिषेक करने पहुंचेंगे। इसके लिए समिति ने मंदिर परिसर में इंतजाम किए है। वहीं रविवार को करीब 20 हजार से अधिक श्रद्धालुओं को शुद्ध घी के लड्डू के साथ भोजन-प्रसादी का वितरण किया गया।

सूखने लगी सोयाबीन की फसलः किसानों ने खेतों में प्रदर्शन कर सरकार से मुआवजा मांगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

एक सप्ताह से वर्षा की कमी के कारण सोयाबीन की फसल खराब होने लगी है। इससे परेशान किसानों ने खेतों में खड़े होकर प्रदर्शन किया है। किसानों ने सरकार से फसल का सर्वे कराकर मुआवजा देने की मांग की है।

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा के क्षेत्र इछावर में सोयाबीन की फसल बुरी तरह प्रभावित हुई है। इछावर के ग्राम खेरी में किसानों ने अपने खेतों में खड़े होकर विरोध प्रदर्शन किया। किसानों का कहना है कि शिकायत करने के बावजूद अधिकारियों ने अभी तक खेतों का निरीक्षण नहीं किया है। आंकड़ों के अनुसार, सीहोर जिले में अब तक 647 एमएम बारिश हुई है। पिछले साल इसी अवधि में 748 एमएम बारिश दर्ज की गई थी। इछावर क्षेत्र में इस साल अभी तक 614 एमएम बारिश हुई है। जबकि पिछले साल इसी समय 964 एमएम बारिश दर्ज की गई थी। इस प्रकार इछावर में इस वर्ष बारिश में काफी कमी आई है, जिससे फसलें प्रभावित हो रही हैं।

खबर संक्षेप

पेड़ों को राखी बांधी पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

सीहोर। ग्राम बिलकिसगंज में शनिवार को रक्षाबंधन और विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर बालक छात्रावास परिसर में पौधरोपण किया गया। कार्यक्रम में युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष मनोज मेवाड़ा, छात्रावास अधीक्षक रामफूल बारेला और ग्रामीण शामिल हुए। इस मौके पर वृक्षों को राखी बांधी गई। पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन का संकल्प लिया गया। मनोज मेवाड़ा ने बताया कि हर साल बारिश के मौसम में 500 पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इस साल अब तक 200 पौधे लगाए जा चुके हैं। पौधों की देखभाल की जिम्मेदारी भी ली गई है। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए। यह पृथ्वी की जलवायु और सभी जीवों के लिए जरूरी है। समय-समय पर पौधरोपण करते रहना चाहिए। उन्होंने वृक्ष लगाओ, पानी बचाओ का संदेश भी दिया। साथ ही रक्षाबंधन और विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं दीं।

उप सरपंच के रिक्त पदों के लिए सम्मेलन 12 को

सीहोर ।राज्य निर्वाचन आयोग ने जिले में पूर्व से उप सरपंच के रिक्त पदों के निर्वाचन के लिए 12 अगस्त को निर्वाचित पंचों एवं सरपंच का सम्मेलन आयोजित कराने के निर्देश दिए है। पंचायतों के उप निर्वाचन वर्ष 2025 (पूर्वार्द्ध) में पंच पदों के निर्वाचन परिणाम की घोषणा 29 जुलाई को संपन्न हो चुकी है।

परीक्षाओं में देना होगी अपार आईडी

सीहोर। मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित की जाने वाली सभी परीक्षाओं के आवेदन भरने के दौरान अपार आईडी देने का प्रावधान लागू कर दिया गया है। अगले सत्र से केवल वे ही विद्यार्थी परीक्षा के लिए आवेदन कर सकेंगे जिनकी अपार आईडी होगी। सत्र 2025-26 के लिए 9वीं से 12वीं तक भरे जाने वाले आवेदन पत्रों में अपार आईडी को वैकल्पिक किया गया है। अगले सत्र, यानी 2026-27 से, यह व्यवस्था अनिवार्य रहेगी। इस संबंध में मंडल ने नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। गौरतलब है कि बोर्ड परीक्षाओं में हर साल करीब 17 लाख परीक्षार्थी शामिल होते हैं। इनमें सीहोर जिले के ही करीब 24 हजार से ज्यादा विद्यार्थी होते हैं।

लैब टेक्नीशियन के लिए 19 को परीक्षा

सीहोर। ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (एम्स) में लैब टेक्निशियन-III के पद पर भर्ती की जाएगी। रिसर्च प्रोजेक्ट डीएचआर-आईसीएमआर एड वांस्ड मॉलिक्यूलर आंकोलॉजी डायग्नोस्टिक सर्विसेज के लिए यह भर्ती होगी। इसके लिए लिखित परीक्षा 19 अगस्त को होगी। इस पद के लिए अधिकतम आयु सीमा 30 वर्ष निर्धारित की गई है। डिपार्टमेंट ऑफ पैथालॉजी एंड लैब मेडिसिन में संविदा के आधार पर यह नियुक्ति होगी। इस पद के लिए अवधि 12 माह रहेगी। लिखित परीक्षा वाले दिन रिपोर्टिंग का समय सुबह 9.30 बजे से रहेगा। सुबह 10 बजे के बाद रिपोर्टिंग करने वालों पर विचार नहीं किया जाएगा।

भुजरिया पर्व: विधिवत पूजा-अर्चना कर किया भुजरिया विसर्जन

अंचलों में निकली यात्रा, लड़ाए डंडे छोटों ने बड़ों से लिया आशीर्वाद

महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सजधज कर भुजरियां की घरों पर पूजा-अर्चना के बाद शाम को भुजरियां की टोकरी सिर पर रखे हुए लोक गीत गाते बड़ी संख्या में शामिल हुईं

हरिभूमि न्यूज ⏭ भैरुंदा

डांडिया मंडली द्वारा मंदिर परिसर में इस पर्व को डंडे लड़ाकर की खास परंपरा है।

भुजरियां पर्व जो कि रक्षाबंधन के दूसरे दिन मनाए जाने वाला त्योहार है। इस पर्व को कजलियां का पर्व भी कहा जाता हैं। इस दिन महिलाएं अपने घरों में बोई गई भुजरियां की विधिवत पूजा अर्चना कर गांव में यात्रा निकलकर नदी तालाब में विसर्जन करती है। वहीं मौजूद लोग भुजरियां लुटते हैं। लूटे हुए भुजरिया को सबसे पहले मन्दिरों में जाकर भगवान को अर्पित कर आशीर्वाद लेते है। छोटे बड़ों के पैर छूकर आशीर्वाद लेते तो वही बराबर के लोग एक दूसरे के गले मिलकर इस पर्व को मनाते है।

डंडे लड़ाए लोक गीतों पर किया नृत्य मंदिर से की शुरुआत

भुजरियां पर्व हर्षोल्लास व धूमधाम से मनाया गया। वहीं अंचलों में लोगों की मंडली के द्वारा दंडे लड़ाए गए और लोक गीत गए गीतों पर नृत्य करतें हुए भुजरिया पर्व हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया गया। इसी को लेकर भैरुंदा जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत चौरसाखेड़ी में भी भुजरियां पर्व हर्षोल्लास व धूमधाम से मनाया गया। यहां के लोगों की लोक गीतों पर नृत्य करते झूमते गाते हुए मनाया गया। तो वहीं महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सजधज कर भुजरियां की घरों पर पूजा अर्चना की वहीं शाम के समय भुजरियां की टोकरी सिर पर रखे हुए लोक गीत गाते बड़ी संख्या में शामिल महिलाएं घरों से लेकर मन्दिर पहुंची जहां भुजरियां विसर्जन किया गया। इसी कड़ी में ग्राम पंचायत महागांव के सरपंच राजेन्द्र सिंह राजपूत के घर पर भी भुजरियां की विधिवत पूजा अर्चना की गई। घर से मन्दिर तक भुजरियां यात्रा निकाली गई। विधिवत पूजा अर्चना की ओर भुजरियां विसर्जन किए विसर्जन के बाद मन्दिर पर भुजरिया चढ़ाकर शुरुआत की इसके बाद सभी आपस में एक-दूसरों को भुजरिया देते हैं। इस दौरान बड़े जहां छोटों से आशीर्वाद प्राप्त करते हैं तो वहीं बराबर के लोग आपस में गले मिलकर इस पर्व को मनाते हैं। फिर गांव में घर-घर जाकर एक-दूसरे को भुजरिया भी दिया गया। खासकर दुखी परिवारों के घर जाकर भुजरिया देने की खास परंपरा है।

विद्यार्थी परिषद अलंकरण समारोह का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

केंद्रीय विद्यालय सीहोर में विद्यार्थी परिषद अलंकरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। यह गरिमामयी कार्यक्रम विद्यालय की प्राचार्य पूजा श्रीवास्तव की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। समारोह में नव-निर्वाचित स्कूल कप्तान, स्कूल उप कप्तान, एवं सभी विविध सदनों के कप्तानों को सम्मानपूर्वक बैज एवं शैश पहनाकर उनके दायित्वों का बोध कराया गया। इस अवसर पर संबंधित सदन प्रभारी शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को बैज पहनाकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। प्राचार्य पूजा श्रीवास्तव ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में सभी छात्र नेताओं को उनके कर्तव्यों के प्रति सजग रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने विद्यार्थियों को ईमानदारी, नेतृत्व, अनुशासन एवं सहयोग की भावना के साथ कार्य करने की सीख देते हुए हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी। समारोह का उद्देश्य छात्रों में नेतृत्व क्षमता का विकास करना तथा उन्हें उत्तरदायित्व निभाने के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों के उत्साह, अनुशासन एवं सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

सीड योजनाः आवेदन की अंतिम तिथि 25 अगस्त

सीहोर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार की सीड योजना के तहत विमुक्त घुमंतु समुदायों के वह विद्यार्थी जो 12 वीं पूर्ण कर चुके है या वर्तमान में अध्ययनरत हैं, जिनकी वार्षिक आय 8 लाख से अधिक न हो। ऐसे विद्यार्थियों को उक्त योजना के तहत परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण के तहत फ्री कोचिंग प्रदाय की जा रही है। भारत सरकार के विभाग द्वारा यह योजना **Buddy 4Study** संस्था के माध्यम से संचालित की जा रही है। इस योजना में आवेदन की अंतिम तिथि 25 अगस्त तक बढ़ाई है। इस योजना का लाभ लेने हेतु लिंक के **https://www.buddy4st , udy.com/page/free-co , aching-for-%20dnt-st udents-under-seed-sc heme** माध्यम से ऑनलाइन आवेदन एवं पात्रता की जानकारी प्राप्त करें।

बारिश में करंट से बचने के लिये एडवाइजरी जारी

सीहोर। मानसूनी मौसम के दौरान हवा में नमी के कारण करंट लगने की आशंका ज्यादा रहती है। करंट से लोगों की मौत हो जाती है। लेकिन ज्यादातर मौतों को टाला जा सकता है। ज्यादातर मौतें घरों में अर्थिंग नहीं होने या कमजोर अर्थिंग की वजह से होती है। अर्थिंग या तो स्थानीय स्रोत से प्राप्त की जा सकती है या घर पर ही गहरा गढ्ढा खोदकर खुद बनाई जा सकती है।

बारिश में बिजली से होने वाली दुर्घटनाओं से बचने के लिए विद्युत विभाग द्वारा एडवायजरी जारी की गयी है। जारी एडवायजरी में घर में अर्थिंग की उचित व्यवस्था रखें। हरे रंग के तार को हमेशा याद रखें, इसके बिना कभी बिजली उपकरण का प्रयोग न करें, खास कर जब यह पानी के स्रोत को छू रहा हो। पानी करंट के प्रवाह की गति को बढ़ा देता है, इसलिए नमी वाले माहौल में अतिरिक्त सावधानी रखें। दो पिन वाले बिना अर्थिंग के उपकरणों का प्रयोग न करें।

वोकेशनल विषय कहलाएंगे कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

उच्च शिक्षा विभाग ने नया सत्र शुरू होने के एक माह बाद 13 वोकेशनल सब्जेक्ट का सिलेबस जारी किया है। हालांकि, अब भी 25 में से 12 विषय बाकी हैं। यही नहीं, सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात यह है कि अब तक विभाग ने यह भी पूरी तरह स्पष्ट नहीं किया है कि इस बार मेजर विषय दो से तीन व माइनर विषय एक से दो किए जा रहे हैं या नहीं? साथ ही फाउंडेशन पाठयक्रम में चार के बजाय अब तीन विषय होंगे या नहीं? इस पर भी स्थिति स्पष्ट नहीं है, जबकि कॉलेजों में फर्स्ट ईयर की पढ़ाई शुरू हो गई है।

दरअसल, यह नए बदलाव उच्च शिक्षा विभाग ने खुद लागू करने की बात कही थी, लेकिन अब तक कोई निर्देश व गाइडलाइन जारी नहीं की गई है। इससे कॉलेजों में स्टूडेंट और फैकल्टी असमंजस की स्थिति है। छात्रों को भी पता नहीं चल रहा कि आखिर ये बदलाव सत्र 2025-26 से लागू होंगे भी या नहीं। बता दें कि सीहोर जिले में 13 सरकारी कॉलेज और करीब 25 से ज्यादा निजी कॉलेज संचालित हैं। ऐसे में जिले में 8 हजार से ज्यादा विद्यार्थियों ने यूजी में एडमिशन लिया है। इन विषयों का सिलेबस हुआ है जारी सौंदर्य एवं स्वास्थ्य कल्याण, डेयरी प्रबंधन, डेस्कटॉप पब्लिशिंग, विद्युत प्रोद्यौगिकी, इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग, इवेंट मैनेजमेंट, हार्टिकल्चर, कृषि विपणन के आधारभूत सिद्धांत, हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट, औषधीय पौधे, वेब डिजाइनिंग व कुक्कुट प्रबंधन। हालांकि खास बात यह है कि विभाग ने वोकेशनल विषयों का नाम भी बदल दिया है। अब यह विषय कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (स्किल इन्हेसमेंट सब्जेक्ट) कहलाएंगे। छात्रों की मार्कशीट व परीक्षा के टाइम टेबल में भी इन विषयों को अब इसी नाम से पहचाना जाएगा।

सिलेबस जल्द जारी करना चाहिएः दरअसल, वोकेशनल विषय नई शिक्षा नीति के सबसे अहम बदलावों में से एक था। यह यूजी फर्स्ट से थर्ड ईयर तक के छात्रों के लिए अनिवार्य है। एक वोकेशनल विषय हर छात्र को हर वर्ष चुनना होता है। शिक्षाविदों का मानना है कि छात्रों को वोकेशनल विषय चुनने में जल्दबाजी नहीं करना चाहिए। थोड़ा और समय इंतजार करना चाहिए, ताकि पसंद का विषय चुन सकें और उसकी पढ़ाई शुरू कर सके। साथ ही उच्च शिक्षा विभाग को वोकेशनल के सभी विषयों का सिलेबस जल्द जारी करना चाहिए।

श्रावणी उपाकर्म संकल्प, संस्कार, स्वाध्याय का महापर्व है : पं. शर्मा

भैरूंदा। नगर में ब्राह्मण समाज का वार्षिक पर्व श्रावणी उपाकर्म श्रद्धा और विधि-विधान से संपन्न हुआ। इस अवसर पर पंडित संजय शर्मा, श्री सिद्धि दात्री ज्योतिष अनुष्ठान केंद्र भैरूंदा के आचार्यत्व में विप्रजनों ने प्रायश्चित संकल्प, दशविधि स्नान, ऋषि पूजन, तर्पण, संध्या और वेद स्वाध्याय जैसे कर्म संपन्न किए।श्रावणी उपाकर्म का उद्देश्य आत्म-शुद्धि, वेदों का अध्ययन तथा ऋषियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना है।

यज्ञोपवीत संस्कार के पश्चात ब्राह्मण को द्विजत्व प्राप्त होता है, जिसे उसका दूसरा जन्म माना जाता है। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष आशीष शर्मा, गोपाल जेमिनी, रोहित शर्मा, संजय व्यास, अभिषेक, डॉ. संतोष शर्मा सहित अनेक विप्रबंधु उपस्थित रहे। श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक पर्व में भाग लेकर परंपरा का निर्वहन किया।

श्रावणी उपाकर्म : वैदिक मंत्रों से पापों का प्रायश्चित

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

रक्षाबंधन पर सीवन नदी के हनुमान फाटक घाट पर श्रावणी उपाकर्म का आयोजन हुआ। विधि-विधान से यज्ञोपवीत संस्कार किया गया। पंडित पृथ्वी वल्लभ दुबे ने कार्यक्रम संपन्न कराया। ब्राह्मणों ने स्नान कर शुद्धिकरण किया। श्रावणी उपाकर्म में ब्राह्मण पवित्र नदियों में स्नान कर वैदिक मंत्रों से पापों का प्रायश्चित करते हैं। जिनका उपनयन संस्कार हो चुका होता है, वे पुराना यज्ञोपवीत त्यागकर नया धारण करते हैं। यह केवल वस्त्र नहीं, बल्कि व्रत, अनुशासन और ब्रह्मचर्य का संकल्प होता है। हर साल रक्षाबंधन पर यहां त्रिवेणी उपक्रम होता है। पूजा-पाठ कर धार्मिक अनुष्ठान में भाग लिया। आयोजन के लिए पहले से तैयारी की गई थी।

मंडी के मुक्तिधाम में किया गया पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

शहर के मंडी क्षेत्र के मुक्तिधाम में समिति द्वारा रविवार को पौधरोपण किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर, भाजपा नेता गौरव सन्नी महाजन, समाजसेवी अखलेश राय, राजेन्द्र राठौर सहित नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। समिति ने यहां पर आम , पीपल, जामुन, बरगद , छायादार एवं नीबू कटहल, अमरूद, संतरे , मौसम्बी के फलदार पौधे रोपे। नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर समिति की सराहना करते हुए कहा कि आप लोगों के प्रयासों से यह मुक्तीधाम हरे भरे उद्यान में बदल गया है। इस मौके पर मंडी मुक्तीधाम समिति अध्यक्ष ओमप्रकाश राठौर, राजेन्द्र राठौर, अशोक राठौर, डा भरत आर्य, संतोष सिंह, सहित गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

ब्रह्माकुमारीज सेवा केंद्र पर रक्षाबंधन के पावन अवसर पर भव्य कार्यक्रम

सीहोर। ब्रह्माकुमारीज़ सीहोर सेवा केंद्र पर रक्षाबंधन के पावन अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप शैलेन्द्र राय उपस्थित थे उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि बहनों का रक्षाबंधन मनाने का तरीका अलौकिक है यहां आकर मुझे शांति एवं ऊर्जा का अद्भुत अनुभव मिला हम दीदी के साथ मिलकर 152 स्कूलों में बच्चों को राजयोग मेडिटेशन की शिक्षा देना और नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम करेंगे सेवा केंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी पंचशीला दीदी ने रक्षाबंधन के आध्यात्मिक अर्थ को विस्तार से समझाया। रक्षाबंधन केवल धागा बाँधने का त्यौहार नहीं, बल्कि यह आत्मा और परमात्मा के पवित्र संबंध का प्रतीक है। यह बंधन हमें बुराइयों से रक्षा करने और सद्गुणों के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम के दौरान दीदी ने माउंट आबू राजस्थान हेड ऑफिस से आई परमात्म प्रेम भरी राखी दिखाते हुवे पत्र सुनाया एवं सभी भाई-बहनों को पवित्र राखी बाँधी और ईश्वर से जुड़े रहने का संकल्प दिलाया। साथ ही, केंद्र में आने वाले सभी लोगों ने इस अवसर पर अपने जीवन में शांति, प्रेम और सदाचार को अपनाने का संकल्प लिया। अंत में, सभी उपस्थित जनों ने इस पवित्र पर्व को आध्यात्मिक उमंग और उत्साह के साथ मनाया।

आज रवाना होगा गया के लिए श्रद्धालुओं का जत्था

आवश्यकता है निर्मल मन और स्थिर चित्त के साथ कथा श्रवण करने की: पं. चेतन उपाध्याय

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

हमारे अंधकार को दूर कर प्रकाश रूपी ज्ञान भगवान प्रदान करता है। भगवान की लीला अपरंपार है। वे अपनी लीलाओं के माध्यम से मनुष्य व देवताओं के धर्मानुसार आचरण करने के लिए प्रेरित करते हैं। श्रीमद भागवत कथा के महत्व को समझाते हुए कहा कि भागवत कथा में जीवन का सार तत्व मौजूद है, आवश्यकता है निर्मल मन और स्थिर चित्त के साथ कथा श्रवण करने की।

उक्त विचार शहर के इंदौर नाके स्थित अपने निवास पर जारी एक दिवसीय सत्संग के दौरान कथा वाचक पंडित चेतन उपाध्याय ने कहे। रविवार को पंडित उपाध्याय ने यहां पर आए श्रद्धालुओं को भुजरिया पर्व का आशीर्वाद दिया और कहाकि यह पर्व हमारे लिए परम्परा से बढ़कर संस्कार है। जिनका पालन करना जरूरी है।

इन परम्पराओं के माध्यम से हम सब एकता की ओर चलते है। इसलिए सनातन धर्म को मजबूत करने के लिए संस्कारों की आवश्यकता है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार कथा वाचक पंडित श्री उपाध्याय की आगामी कथा बिहार के गया में है और सोमवार को वह रवाना होंगे। इससे पहले उन्होंने शहर के बस स्टैंड के समीपस्थ गीता मानस भवन में श्रीमद भागवत कथा का आयोजन किया था, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। रविवार को एक दिवसीय मिलन समारोह के साथ प्रवचन के दौरान कहाकि भागवत कथा सभी ग्रन्थों का सार है, यह तो हम जानते हैं मगर इस सार के पीछे जो रहस्य छिपा हुआ है वो कोई नहीं जानता। इस कथा में जो उपदेश अलग-अलग प्रसंगों में दिए गए है उसका पालन करना एवं उसके साथ-साथ मनुष्य जीवन में इस कथा के प्रत्येक प्रसंग के महत्व को समझकर उस पर चिंतन मनन करते हुए मनुष्य जीवन यापन करना ही मानव का धर्म है और यही भागवत पुराण सीखा रहा है। भगवान श्री कृष्ण अपनी लीलाओं के माध्यम से मनुष्य व देवताओं के धर्मानुसार आचरण करने के लिए प्रेरित करते हैं। भागवत कथा में जीवन का सार तत्व मौजूद है। आवश्यकता है निर्मल मन ओर स्थिर चित के साथ कथा श्रवण करने की और इस सार को समझने की। भागवत श्रवण से मनुष्य को परमानंद की प्राप्ति होती है।

जिला जेल में मनाया गया रक्षाबंधन पर्व, उपजेल सारंगपुर में मंत्री टेटवाल पहुंचे

जेल में राखी: भाई-बहनों की आंखों से फूट पड़ी अश्रुधारा

जेल परिसर के अंदर राखी का यह आयोजन खुशी के साथ-साथ कुछ समय के लिए भावुक भी नजर आया जब कुछ बहनें सालों से जेल में बंद अपने भाइयों को राखी बांध रही थीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजगढ़-सारंगपुर

भाई-बहन के पवित्र, निश्छल, निस्वार्थ प्रेम का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व शनिवार को जिले भर में धूमधाम के साथ मनाया गया। जिला जेल सहित उपजेलों में भी रक्षाबंधन पर्व पर बहनें अपने भाईयों को राखी बांधने पहुंची। जेल परिसर के अंदर राखी का यह आयोजन खुशी के साथ-साथ कुछ समय के लिए भावुक भी नजर आया जब कुछ बहनें सालों से जेल में बंद अपने भाईयों को राखी बांध रही थीं तो भाईयों की आंखों से प्रायश्चित के आंसू निकलते देखे गए। जिला जेल में विभिन्न अपराधों के चलते बंद अपने अनुज, अग्रजों को राखी बांधने सुबह से ही जेल परिसर के सामने बड़ी संख्या में बहिनें एकत्रित होना शुरू हो गईं। न केवल राजगढ़ जिले बल्कि अन्य जिलों से भी बहिनें जेल में निरुद्ध अपने भाईयों की कलाई पर राखी बांधने पहुंची।

जेल प्रबंधन ने किए माकूल इंतेजाम

सभी जेलों में राखी पर्व मनाए जाने के शासन से मिले निर्देशों के बाद जेल प्रबंधन द्वारा रक्षाबंधन हेतु माकूल इंतेजामात किए गए थे। बहिनों को जेल के बाहर कतारबद्ध खड़ा करवाया गया। जेल के रजिस्टर में अंदर जाने वाली सभी बहिनों व अन्य की एंट्री भी की गई। इसके साथ ही जेल प्रबंधन द्वारा जेल परिसर में बाकायदा टेंट, फर्श, जल इत्यादि की व्यवस्था भी की गई थी। जिला जेल अधीक्षक आलोक वाजपेयी ने बताया कि 250 के लगभग बहिनों ने जिला जेल पहुंचकर अपने भाईयों को राखियां बांधी।

उपजेल सारंगपुर में मनाया रक्षाबंधन

रक्षाबंधन पर्व पर सारंगपुर के तत्वावधान में स्थानीय उपजेल में भावपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में म.प्र. शासन के तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास मंत्री गौतम टेटवाल,मंडल अध्यक्ष महेश पुष्पद,नगर पालिका उपाध्यक्ष नीलेश वर्मा, जेलर विकास जैन, सेवाकेंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी भाग्यलक्ष्मी दीदी, ब्रह्माकुमारी प्रीति दीदी, ब्रह्माकुमार नीरज भाई सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। दीप प्रज्वलन व परमात्म स्मृति से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। व्यसन मुक्ति की थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम में सभी बंदियों और जेल स्टाफ को ब्रह्माकुमारी बहनों ने राखी बांधी और पर्व का महत्व बताया। भाग्यलक्ष्मी दीदी ने कहा कि तन को बंधन में रखा जा सकता है, लेकिन मन सदा स्वतंत्र है। जीवन में काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार पर नियंत्रण के लिए राजयोग सर्वोत्तम साधन है। मंत्री गौतम टेटवाल ने ब्रह्माकुमारीज के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ध्यान और सकारात्मक चिंतन से जीवन को सही दिशा दी जा सकती है, साथ ही हमें व्यसनों से दूर रहने का संकल्प लेना चाहिए। बंदियों को मिठाई, फल और वरदान कार्ड वितरित किए गए तथा उन्हें एकांत समय का उपयोग रचनात्मक जीवन निर्माण में करने की प्रेरणा दी गई। ब्रह्माकुमारी प्रीति बहन ने सभी को बुराइयों को त्यागने और सुंदर जीवन बनाने की प्रतिज्ञा कराई। संचालन ब्रह्माकुमार नीरज ने किया। जेलर विकास जैन ने कहा कि इस कार्यक्रम ने उपजेल को सकारात्मकता और भाईचारे का संदेश दिया है।

किसीएटीएम में नहीं सुरक्षा गार्ड

भगवान भरोसे एटीएम बूथों की सुरक्षा, आराम करते हैं कुत्ते

राजगढ़। राजगढ़ मुख्यालय पर एसबीआई सहित विभिन्न बैंकों के एटीएम बूथों की सुरक्षा भगवान भरोसे चल रही है। अगर बात सिर्फ भारतीय स्टेट बैंक के एटीएम की करें तो राजमहल परिसर स्थित मुख्य ब्रांच के अलावा अन्य किसी भी एटीएम बूथ पर सुरक्षा गार्डों की कोई व्यवस्था प्रबंधन द्वारा नहीं करवाई गई है। आलम यह है कि जेल रोड के सामने सहित अन्य बूथों पर कुत्ते, गाय सहित अन्य मवेशी आराम फरमाते देखे जाते हैं। कईं एटीएम ऐसे हैं जहां के कांच के गेट सहित एसी पूरी तरह खराब हैं। यह स्थिति अकेले दिन के समय नहीं बल्कि रात्रि में भी एसबीआई के एटीएम बूथों पर सिक्यूरिटी गार्ड नजर नहीं आते। उल्लेखनीय कि शातिर बदमाशों द्वारा विभिन्न जिलों के एटीएम कटर मशीनों से काटकर राशि चुराने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इसके बाद भी एसबीआई प्रबंधन अपने एटीएम बूथों की सुरक्षा के प्रति लापरवाह बना हुआ है।

रात्रि में ज्यादा डर

एटीएम बूथों के अंदर कुत्तों के बैठे रहने से सुरक्षा गार्ड न होने के कारण रात्रि के समय रुपए निकालने जाने वालों में डर बना रहता है। पुलिस विभाग द्वारा पत्र जारी कर सुरक्षा गार्ड तैनात करवाने के निर्देश दिए गए हैं लेकिन एसबीआई सहित अन्य बैंक प्रबंधनों उन निर्देशों पर कोई अमल नहीं किया जा रहा है।

समाज ने गंभीर घायल बीरम गुर्जर की इलाज के लिए आर्थिक सहायता मांगी

विद्युत मंडल के जेई को दिया ज्ञापन

जीरापुर। कुशवाहा मोहल्ला चूड़ी गली में लाइट का कार्य करे आउटसोर्स कर्मचारी बीरम गुर्जर विद्युत पोल से नीचे गिरने से गंभीर घायल होने के बाद इंदौर इलाज चल रहा है। इस घटनाक्रम को लेकर गुर्जर समाज ने एकजुट होकर विद्युत कार्यालय पहुंचकर जेई को एक ज्ञापन देकर इलाज हेतु आर्थिक सहायता की मांग की है। दरअसल गुर्जर समाज लोगों ने दिये आवेदन में उल्लेख किया कि बीरम गुर्जर मीटर वाचक का कार्य करता था फिर भी विद्युत पोल पर लाईट का कार्य कर रहा था, उसके करंट लग जाने से अचानक पोल से गिर जाने पर गंभीर चोटे आई है। जिसका इलाज बॉम्बे हॉस्पीटल इन्दौर में चल रहा है व जिंदगी और मोत के बीच झूल रहा है। यह जानते हुए भी की बीरम एक मीटर वाचक है और मीटर वाचक का काम मीटर वाचन एवं बकाया बिल की उगाही करना है,उसके बावजूद भी आपके द्वारा मीटर वाचक से लाईनमेन का कार्य करवाया गया। जो गलत है। आपके द्वारा उपेक्षापूर्ण पद का दुरूपयोग कर अपने अधीनस्थ मीटर वाचक बीरम से उसके नियुक्ति पत्र मे उल्लेखित शर्तो एवं मीटर वाचक द्वारा किये जाने वाले कार्यों से अलग कार्य करने के लिए विवश किया गया।जिस कारण से आज बीरम गुर्जर कि इस प्रकार की स्थिति हुई है घायल बीरम के इलाज का खर्च कम से कम 7-8 लाख आने का अस्पताल प्रबंधन द्वारा बताया जा रहा है। बीरम के परिवार की ऐसी आर्थिक स्थित ठीक नही है कि वह इस खर्च को वहन कर सके, विद्युत विद्युत विभाग से मांग की है कि इलाज का संपूर्ण खर्च की व्यवस्था कर घायल बीरम का व्यवस्थित इलाज किया जा सके। अगर विद्युत विभाग ने इस ओर ध्यान नहीं दिया तो गुर्जर समाज एकजुट होकर दोषी कर्मचारी व अधिकारी के खिलाफ पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई जाएगी। आवेदन देने में वालों को में पूर्व पार्षद पुरसिंह गुर्जर, बजरंग दल जिला उपाध्यक्ष सुजान सिंह गुर्जर , शिक्षक रामचंद्र गुर्जर, भाजपा युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष दिनेश गुर्जर, जगदीश गुर्जर मन्याखेड़ी ,विजय गुर्जर , हेमराज गुर्जर, शोभाराम गुर्जर आदि मौजूद थे।

बहनों ने मंगल तिलक लगाकर भाइयों की कलाई पर बांधा रक्षासूत्र

खुजनेर। खुजनेर में रक्षाबंधन का त्योहार बड़े उल्लास के साथ मनाया गया। बहनों ने भाईयो की कलाई पर बांधा रक्षा सूत्र वही भाईयो ने बहनों की रक्षा का वचन लिया शनिवार को रक्षा बंधन के चलते सुबह से ही देर शाम तक बाजारों में मीड़ भाड़ रही नगर में सजी राखी की दुकानों से बहनों ने भाईयो के लिए सुंदर राखिया खरीदी वही शुम मुहूर्त में मंगल तिलक व मिठाई खिलाकर भाई की कलाई पर राखिया बांधी वही भाई ने बहनों को गिफ्ट भी दिए भारती संस्कृति के अनुसार रक्षा बंधन, भाई-बहनों के बीच अटूट प्यार को दर्शाने के लिए मनाया जाता है। यह त्यौहार प्रतिवर्ष श्रावण मास सावन माह की पूर्णिमा पर पड़ता है इस दिन बहने पूजा-अर्चना करके भाइयों की कलाइयों पर राखी बांधती है और उनके स्वास्थ्य व जीवन में सफल होने की कामना करती है। वहीं भाई अपनी बहनों की रक्षा करने और बिपरीत स्थिति में उनकी मदद करने के लिए वचन देते हैं।

शिकायत की जांच करने खेत तक पहुंचे अधिकारी

शमशाबाद। तहसील के ग्राम पट्टन निवासी कृषक चंद्रमोहन यादव पिता मेहरबान सिंह यादव के खेत में 32 बीघा रकवा खरपतवार नाशक व कीट नाशक दवा के छिड़काव से सोयाबीन नष्ट हो गया था। जिसकी शिकायत किसान चन्द्रमोहन यादव द्वारा कलेक्टर अंशुल गुप्ता व जिला कृषि कार्यालय में की गई थी। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए विकासखंड में पदस्थ कृषि विस्तार अधिकारी द्वारा निरीक्षण प्रतिवेदन जिला कार्यालय में प्रस्तुत किया गया था। कार्रवाई के लिए कार्यालय उपसंचालक कृषि द्वारा जांच दल का गठन किया गया। दल में उपसंचालक कृषि केएस खपेड़िया, वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डॉ. वीके गर्ग, पादप रोग वैज्ञानिक डॉ. आशीष श्रीवास्तव, सहायक संचालक कृषि महेंद्र सिंह ठाकुर, प्रभारी वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी जगदीश गुर्जर, क्षेत्रीय कृषि अधिकारी संगम रघुवंशी, लक्ष्मण गुर्जर कृषि विस्तार अधिकारी एवं प्रधानमंत्री फसल बीमा तहसील समन्वयक जितेंद्र यादव ने नुकसान का जायजा लिया।

रात्रि में अक्सर हादसे होते

गायों के इलाज के लिए तुरंत मौके पर पहुंचते हैं गो सेवक

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजगढ़

जिले में उपलब्ध पशुधन के मान से पर्याप्त गोशालाएं नहीं हैं। ऐसे में मुख्यालय सहित जिले के अन्य शहरों, कस्बों एवं ग्रामों में सैकड़ों की संख्या में लावारिस मवेशी सड़कों सहित हाईवे पर बैठे देखे जा सकते हैं। इन मवेशियों के सड़कों पर बैठे रहने से वे अक्सर हादसों का शिकार होकर घायल भी हो रहे हैं। प्रशासनिक स्तर पर इन लावारिस मवेशियों के लिए काफी कुछ इंतेजाम किए गए हैं लेकिन वे नाकाफी हैं। ऐसे में राजगढ़ नगर के कईं सेवाभावी युवक इन दिनों गौवंश की सेवा में लगे हुए हैं। शुक्रवार रात्रि जालपा माता पहाड़ी के नजदीक एक अज्ञात वाहन गाय को टक्कर मारकर फरार हो गया। सूचना मिलते ही सेवाभावी युवाओं की टीम मौके पर पहुंची और गौमाता का उपचार करवाते हुए गोशाला में छोड़ने की व्यवस्था करवाई गई। गौसेवकों चेतराम गुर्जर, शोभाराम गुर्जर, पंकज गुर्जर, ललित गुर्जर, महेश दांगी, सुजान गुर्जर, महेश गुर्जर, पुलित पिपलोटिया, धमेंद्र पिपलोटिया, अभिषेक गुर्जर सहित अन्य को जैसे ही किसी गौवंश के घायल या परेशानी में होने की सूचना मिलती है, सभी तुरंत मौके पर पहुंच जाते हैं।

अन्य गोसेवक भी सदैव तत्पर

नयन विजयवर्गीय एवं टीम सहित राधारानी गोशाला के सेवाभावी युवक भी गोवंश की देखरेख में लगे हुए हैं। आमजनों के सहयोग से जहां लावारिस मवेशियों के लिए चारे की व्यवस्था की जा रही है वहीं बीमार एवं घायल मवेशियों का इलाज इन ऊर्जावान युवाओं द्वारा करवाया जा रहा है।

उत्साह से मनाया रक्षाबंधन का पर्व

जीरापुर। श्रावण माह के पावन अवसर पर रक्षाबंधन का पर्व पूरे श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा और उनकी लंबी उम्र, सुख-समृद्धि की कामना की। भाइयों ने भी बहनों की रक्षा का संकल्प लिया और उन्हें उपहार भेंट किए। इस अवसर पर घर-परिवार में हर्षोल्लास का वातावरण देखने को मिला। परंपरागत मिठाइयों और शुभकामनाओं के साथ रक्षाबंधन का यह पर्व भाई-बहन के प्रेम और स्नेह का प्रतीक बना रहा।

भाई की याद में मनाया रक्षा बंधन

बहन बोली- हमेशा याद आता है भाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ छापीहेड़ा

भाई बहन का स्नेह और प्यार लड़ाई झगडे का प्रतीक भी होता है जो हंसी खुशी के साथ-साथ स्नेह भरी लड़ाई से सरोकार होता है। वह लड़ाई लड़ाई नहीं होती बल्कि भाई बहन का प्यार होता है दाख परिवार की बहू रीना गुप्ता अपने भाई रमेश की याद संजोए हुए हैं ।रमेश भले ही इस दुनिया में ना रहा परंतु बहन रीना की यादों में आज भी प्रदर्शित रूप में महसूस करती रहती है।

पौधरोपण के साथ रक्षाबंधन व विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया

पलास अभियान हर वर्ष 9 अगस्त पर 2029 तक चलेगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नरसिंहगढ़

विश्व आदिवासी दिवस एवं रक्षाबंधन पर्व पर पूर्व वर्षों की तरह प्रकृति संरक्षण परिवार,आकाश एवं जय ओमकार भिलाला समाज संगठन द्वारा रेस्ट हाउस भैसाटोल पहाड़ी पर पलाश (खांखरा) के लगभग 265 पौधों का पौधरोपण सीहोर से पधारे श्री बलराम भिलाला पुलिस विभाग के मुख्य आतिथ्यमें किया गया ।

रेस्ट हाउस पहाड़ी पर वर्ष 2019 से तत्कालीन नरसिहगढ एसडीएम सिद्धार्थ जैन की मंशा अनुसार पहाड़ी को रंगीन करने की दृष्टि से पलाश (खांखरा) के बीजारोपण का अभियान प्रकृति संरक्षण परिवार के संस्थापक राधेश्याम भिलाला आकाश प्रदेश उपाध्यक्ष द्वारा छात्राओं व समाजजन के साथ 9 अगस्त को चलाया गया था जो कि आज लगातार 7 वर्ष हो गए हैं इस अभियान से पलाश खांखरा के भैसाटोल पहाड़ी पर अत्यधिक मात्रा में लगभग 7 से 8 फीट के पौधे हो रहे हैं। यह पलास अभियान हर वर्ष 9 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस पर 2029 तक चलेगा निश्चित रूप से भैसाटोल पहाड़ी वर्ष 2029 तक मार्च माह में केसरिया फूलों से लद जाने के साथ-साथ केसरिया पहाड़ी के रूप में जानी जाने लगेगी। पूर्व वर्ष लगभग 2004 में तत्कालीन नरसिहगढ संजय गोयल वर्तमान स्कूल शिक्षा सचिव मध्य प्रदेश शासन भोपाल द्वारा छात्र-छात्राओं के साथ नीम की निंबोली बीजारोपण का अभियान भिलाला द्वारा चलाया था जो कि आज पूरी पहाड़ी पर नीम के बड़े-बड़े वृक्ष दिखाई दे रहे हैं इसी प्रकार 2029 तक पलाश के भी बड़े-बड़े वृक्ष दिखाई देंगे। आज विश्व आदिवासी दिवस पौधारोपण अभियान के मौके पर राजेश भिलाला जिलाध्यक्ष जय ओमकार भिलाला समाज संगठन राजगढ़ दुलीचंद भिलाला महासचिव लक्ष्य भिलाला संजय भिलाला देवचंद किशोर भिलाला अंश भिलाला कु गोरी भिलाला का पौधारोपण बीजारोपण अभियान में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी सराहनीय सहयोग रहा।

रक्षाबंधन पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने दिया सामाजिक समरसता का संदेश

सारंगपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ नगर सारंगपुर द्वारा रक्षाबंधन का पावन पर्व स्थानीय सरस्वती विद्या मंदिर परिसर में उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम में नगर संघ चालक राधेश्याम शर्मा, मुख्य वक्ता जिला बौद्धिक प्रमुख सुशील व्यास सारंग एवं नगर कार्यवाह राकेश सिसोदिया ने ध्वज को रक्षा सूत्र बांधकर पर्व की शुरुआत की। अमृत वचन एवं गीत के पश्चात मुख्य वक्ता सुशील व्यास ने कहा कि सन 1925 में स्थापित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का उद्देश्य समाज को संगठित कर राष्ट्रभक्ति जागरण एवं सेवा कार्य करना है। संघ का स्वयंसेवक सदैव आपदा-विपदा में निरूस्वार्थ भाव से सेवा करता है। रक्षाबंधन हमें देश, समाज और राष्ट्र रक्षा की प्रेरणा देता है। उन्होंने बताया कि संघ का शताब्दी वर्ष विजयादशमी से प्रारंभ हो रहा है, जिसके अंतर्गत पंच परिवर्तनकृसामाजिक समरसता, पर्यावरण, नागरिक शिष्टाचार, स्वदेशी और कुटुंब प्रबोधनकृपर विशेष कार्य होंगे। संघ प्रार्थना के बाद स्वयंसेवकों ने एक-दूसरे को रक्षा सूत्र बांधकर शुभकामनाएं दीं और सेवा बस्ती भरगुंडावाड़ी पहुंचकर मोहल्लावासियों को रक्षा सूत्र बांधकर रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। यहां खंड संघ चालक श्री शर्मा ने सामाजिक समरसता पर प्रेरणादायी उद्बोधन दिया। कार्यक्रम में विभाग के गौ सेवा प्रमुख जुगल किशोर दुबे, धर्म जागरण प्रमुख अमृत बृजवासी एवं नगर के अनेक स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

कपिलेश्वर धाम में वैदिक मंत्रों के साथ संपन्न हुआ श्रावणी उपाकर्म

कायिक, वाचिक, मानसिक एवं आत्मिक शुद्धि का महापर्व

हरिभूमि न्यूज ⏭ सारंगपुर

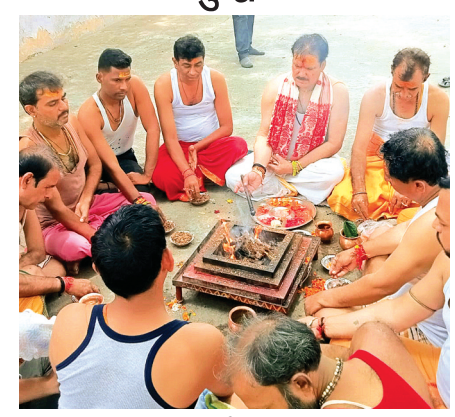

सावन शुक्ल पूर्णिमा के पावन अवसर पर कपिलेश्वर धाम परिसर में श्रावणी उपाकर्म का वैदिक अनुष्ठान श्रद्धा एवं भक्ति भाव से सम्पन्न हुआ। कृष्णासिंधु के तट पर प्रातःकालीन शीतल समीर के बीच गूंजते वेदमंत्र और श्वेत वस्त्रधारी यज्ञोपवीतधारी साधकों की उपस्थिति ने वातावरण को दिव्यता से अभिभूत कर दिया। पं. पवन पारीक, पं. बालकृष्ण शर्मा एवं पं. भूपेंद्र जोशी के निर्देशन में तीर्थस्मरण, सूर्योपासना, दशविध स्नान, ऋषि तर्पण, प्रायश्चित, सप्तऋषि पूजन एवं हेमाद्रि संकल्प की विधियां सम्पन्न हुईं। मिट्टी, गोबर, भस्म, दुर्वा, पंचामृत, फल, गोमूत्र और तीर्थजल से प्रक्षालन कर साधकों ने आंतरिक और बाह्य शुद्धि का संकल्प लिया। उपस्थित जनों ने पातकों से दूर रहने, सत्यवचन, परनिंदा त्याग, हिंसा परिहार, इंद्रिय संयम और सदाचरण का व्रत लिया।संस्कृत दिवस के अवसर पर वेद पूजन एवं सग्रहमख हवन में आहुतियों के साथ वातावरण वैदिक ऊर्जा से पुलकित हो उठा। देव, पितर, कुलगुरु एवं राष्ट्रवीरों को तर्पण कर कृतज्ञता अर्पित की गई। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश शासन के कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के राज्यमंत्री गौतम टेटवाल ने कहा कि "यह केवल यज्ञोपवीत परिवर्तन का पर्व नहीं, बल्कि ऋषियों के स्मरण और आंतरिक समृद्धि के संकल्प का दिन है। प्राचीन काल में इसी दिन से वेदाध्ययन आरंभ होता था और यह आत्मशुद्धि का श्रेष्ठ अवसर है।

इस अवसर पर सुशील व्यास, संजय व्यास, आशुतोष वैद्य, भावेश शर्मा, संतोष पुष्पद, स्वदीप सोलंकी, वासुदेव पुष्पद, नरेंद्र सोनी, कमलेश शर्मा, दिनेश शर्मा, सहयोग शर्मा, संतोष शर्मा, आकाश शर्मा सहित अनेक समाजबंधु उपस्थित रहे। ब्राह्मण समाज अध्यक्ष पं. संजय शर्मा ने नगर के पंडितवाड़ी स्थित प्राचीन श्रीराम मंदिर के पुनर्निर्माण कार्य की बाधाओं को दूर कर कार्य शीघ्र आरंभ करवाने का अनुरोध किया, जिस पर मंत्री ने सकारात्मक आश्वासन दिया। आयोजन के अंत में पं. संजय शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि "श्रावणी उपाकर्म केवल अनुष्ठान नहीं, बल्कि अपनी परंपरा और संस्कृति के प्रति प्रेम का उद्घोष है। कार्यक्रम सफलता के साथ संपन्न हुआ।

खबर संक्षेप

आष्टा में पहली बार होगा दो जिलों का इज्तिमा

आष्टा। मुस्लिम समाज का नगर में पहली बार दो जिलों का इज्तिमा होने जा रहा है। इसमें सीहोर और देवास जिले की जमातें शामिल होंगी। बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग शिरकत करेंगे। जमियत उल्मा ए हिन्द के जिला अध्यक्ष हाफिज शहरयार चांद मियां ने बताया कि इज्तिमा 11 अगस्त सोमवार की असर की नमाज से शुरू होगा। 12 अगस्त मंगलवार की इंशा की नमाज तक चलेगा। इस दौरान कई जमातें बनेंगी। इज्तिमा से पहले पार्षद प्रतिनिधि शेख रईस ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी को पत्र लिखा। उन्होंने मांग की कि दो दिन के लिए पर्याप्त पानी, साफ-सफाई, चुने की लाइन, लाइट और मच्छर मारने की दवा की व्यवस्था की जाए।

संतोषी माता के मंदिर में लगाया 56 भोग

आष्टा। नगर के दर्जीपुरा स्थित शास्त्री स्कूल के पास प्राचीन संतोषी माता मंदिर में श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव के साथ रक्षाबंधन पर माता संतोषी का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। पूजन, आरती और छप्पन भोग अर्पित कर श्रद्धालुओं ने माता रानी से आशीर्वाद लिया। मंदिर समिति अध्यक्ष राकेश सोनी ने बताया कि यह नगर का एकमात्र प्राचीन संतोषी माता मंदिर है। यहां दूर-दूर से भक्त अपनी मनोकामनाएं लेकर आते हैं। माता संतोषी भाव की भूखी हैं। जो भी भक्त भक्ति भाव से आते हैं, माता उनकी झोली भर देती हैं। रक्षाबंधन के दिन कुशवाह समाज के जिला अध्यक्ष नरेंद्र कुशवाह ने पूजन, आरती कर श्रीफल अर्पित किया। संतोषी माता मंदिर की पुजारन ने सभी भक्तों को माता के नाम की भभूत और झड़नी से आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर दलकिशोरपटेल, अमरचंद, मना बाबू, महेंद्र, शुभम, भागीरथ, खुशी लाल, राहुल, सुनील परमार, अभिषेक, पीयूष,अनिल, लोकेश, सौरभ और गोलू सहित कई श्रद्धालु मौजूद रहे।

बहनों ने भाईयों की दीर्घायु की कामना कर कलाई पर बांधे रक्षासूत्र

बहनों ने अमर तिरंगे पर वीर सैनिकों के नाम राखी बांधकर मनाया रक्षाबंधन

रक्षा बंधन के दूसरे दिन भी बहनों ने अपने भाई की कलाई पर राखी बांधी।

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा/जावर

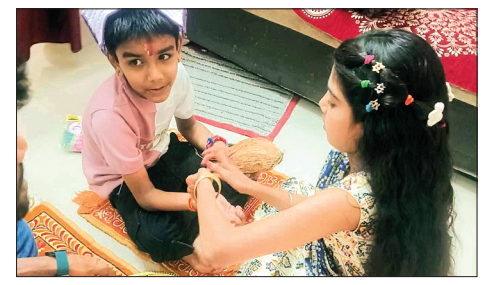

रक्षाबंधन के पूर्व से लेकर रक्षासूत्र बांधने तक बाजारों में जहां बड़ी तादाद में भीड़ दिखाई दी, वहीं इस पर्व के चलते बहनों में उत्साह भी नजर आया। सड़कों पर बिना सवारी के खाली दौड़ती बसे भी सवारी से लदालद होकर अपनी तीव्रता के साथ सड़क पर दौड़ती नजर आई। रक्षाबंधन का पावन पर्व देशभर में मनाया जा रहा है। यह त्यौहार भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह, विश्वास और सुरक्षा का प्रतीक है। हिंदू धर्म में इस त्योहार का विशेष महत्व होता है और यह हर वर्ष श्रावण माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है। इस वर्ष रक्षाबंधन पर भद्राकाल का सांया नही होने से राखी बांधने के लिए पूरे 7 घंटे और 37 मिनट का समय मिला और बहनों ने भाइयों की कलाई में रक्षा सूत्र बांधकर उनकी दीर्घायु की कामना की। भाइयों ने भी बहनों को विभिन्न तरह के उपहार दिए। छोटे बच्चों से लेकर बड़ों में इस पर्व के चलते काफी उत्साह देखने को मिला।

एक दूसरे को मिठाई खिलाकर मना रक्षाबंधन का पर्व त्यौहार

जावर। भाई बहन का त्यौहार रक्षाबंधन मना भाइयों की कलाइयों पर रक्षा सूत्र बांधा। बहन भाई का यह पवित्र रिश्ता आपसे प्रेम भाव और इसने से भरा है।त्योहार पर बहनों ने तिलक लगाकर रक्षा सूत्र बांधकर मिठाई खिलाते हुए लंबी आयु की कामना भी की। इस दौरान भाइयों ने भी अपनी बहनों को कई तरह के उपहार देकर उनकी रक्षा करें का संकल्प लिया।

तिरंगे को बांधी राखी

जावर। रक्षाबंधन यूं तो पूरा देश ओर विश्व के कई देशों में मनाया जा रहा है। सीमा पर सैनिक भी मनाते हैं, लेकिन वह सैनिक अपने घर परिवार रिश्तेदार यार दोस्तों से दूर देश की सीमा पर इसलिए खड़े हे कि आप और हम हमारे त्योहार मना सके। ऐसे में एक राखी देश के वीर सैनिकों के नाम अमर तिरंगे पर बंधवाने का कार्य विगत कई वर्षों से स्वच्छ भारत क्रांति के सेवक विष्णु भारतेश द्वारा किया जा रहा है। इसी क्रम में नगर में कई बहनों ने अमर तिरंगे पर वीर सैनिकों के नाम राखी बांधकर मनाया रक्षाबंधन। गौरतलब हे कि झालावाड़ब के डग निवासी विष्णु भारतेश विगत 5 दिसंबर 2015 से लगातार देश के कई हिस्सों में स्वच्छता के लिए निस्वार्थ कार्य कर रहे हे ।

युवक ने खुदकुशी करने नर्मदा में लगाई छलांग, टीम ने बचाया

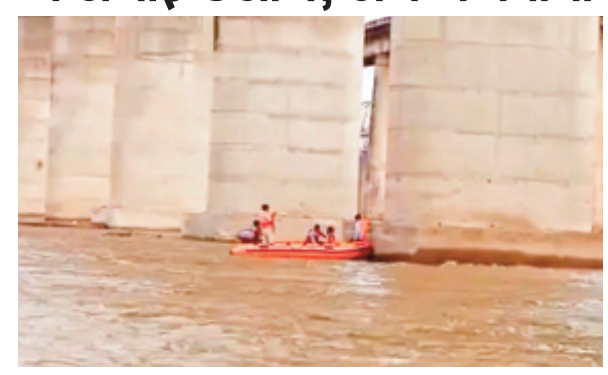

हरिभूमि न्यूज ⏭ नर्मदापुरम

नर्मदापुरम में खर्राघाट स्थित नर्मदा नदी के पुल से एक 28 वर्षीय युवक ने शनिवार सुबह 8:30 बजे कूदकर आत्महत्या का प्रयास किया। नदी में पर्याप्त पानी होने के कारण युवक को गंभीर चोटें नहीं आईं, लेकिन तेज बहाव के कारण वह पुल के पिल्लर के पास फंस गया।

राहगीरों की सूचना पर पहुंची एसडीआरएफ टीम ने नाव के सहारे युवक का सफल रेस्क्यू किया। प्लाटून कमांडर शिवराज चौधरी के नेतृत्व में अभिषेक, अभिजीत, प्रदीप, सुनील, कैलाश और पंकज ने बचाव अभियान में भाग लिया।डायल 100 की मदद से उसे जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टर शुभम शर्मा के अनुसार युवक ने सीने और पीठ में दर्द की शिकायत की है। युवक ने बताया वह उड़ीसा में काम करता था और तीन महीने पहले नर्मदापुरम आया है। उसने बताया कि उसे दिन में नींद आती है और कभी-कभी नशा भी करता है। परिवार द्वारा घर से निकाल दिए जाने का भी उल्लेख किया। हालांकि, आत्महत्या के प्रयास का वास्तविक कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आगामी दो तीन दिन में बारिश फिर हो सकती है शुरू, मौसम विभाग ने जताया अनुमान

नर्मदापुरम। जिले में अगले चार दिनों तक हल्की बारिश का पूर्वानुमान है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार जिले में अगले चार दिनों तक बादल छाए रहने के साथ ही हल्की बारिश जिले में कुछ स्थानों पर हो सकती है। नर्मदापुरम में शुक्रवार दोपहर हल्की बारिश हुई। मौसम की यह स्थितियां अगले चार दिनों तक बनी रह सकती हैं। 13 अगस्त के आसपास पश्चिमोत्तर और पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी में एक कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना बन रही है। वर्तमान में मानसून ट्रफ लाइन पंजाब, उत्तराखंड, बिहार से होकर बंगाल की खाड़ी की ओर बनी है। जिले में 1 जून 2025 से आज दिनांक 09 अगस्त को प्रातः 8 बजे तक जिले में 893.7 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज हुई है। गत वर्ष इसी अवधि में 870.6 मिलीमीटर औसत वर्षा हुई थी। अधीक्षक भू-अभिलेख नर्मदापुरम ने बताया है कि 08 अगस्त से 09 अगस्त 2025 को प्रातः 8 बजे तक तहसील नर्मदापुरम में 4.8 मिलीमीटर, सिवनीमालवा में 0.0 मिलीमीटर, इटारसी में 0.0 मिलीमीटर, माखननगर में 0.0 मिलीमीटर, सोहागपुर में 0.0 मिलीमीटर, पिपरिया में 0.0 मिलीमीटर, बनखेड़ी में 0.0 मिलीमीटर, पचमढ़ी में 54.0 एवं तहसील डोलरिया 0.0 मिलीमीटर वर्षा दर्ज हुई है। वर्तमान में सेठानी घाट का जलस्तर 937.30 फीट है, तवा जलाशय का 1160.20 फीट है, बरगी जलाशय का 419.20 मीटर एवं बारना जलाशय 347.20 मीटर दर्ज किया गया है। उल्लेखनीय है सेठानी घाट का अधिकतम जल भराव 967.00 फीट है, तवा जलाशय का अधिकतम जल भराव 1166.00 फीट है, बरगी जलाशय का जल भराव 422.76 मीटर है।

रक्षा बंधन के दूसरे दिन कुशवाह समाज ने निकाला लव-कुश जयंती पर चल समारोह, झांकी रही आकर्षण का केंद्र

भुजरिया अध्यक्ष निखिल शुभम कुशवाहा के नेतृत्व में भव्य रूप से निकला भुजरिया चल समारोह

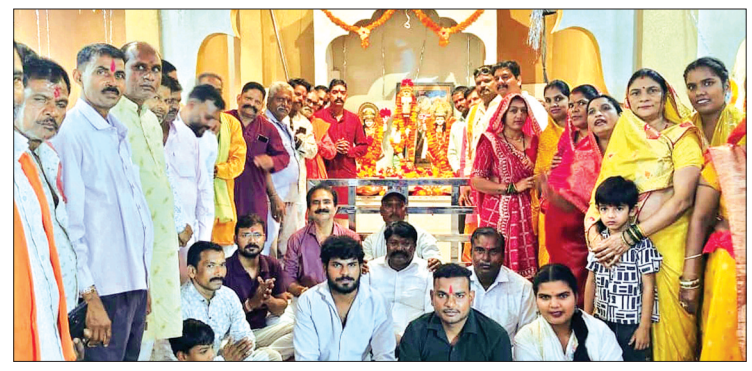

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

नगर में उत्साह के साथ इस वर्ष भी भुजरिया महापर्व का आयोजन कुशवाह समाज दर्जीपुरा पंचायत द्वारा चल समारोह दर्जीपुरा स्थित शास्त्री स्कूल के पास से बैंड बाजे ढोल नगाड़े के साथ पुरुष वर्ग डंडे लड़ते हुए एवं मातृशक्ति सर पर भुजरिया रखकर हर्षोल्लास के साथ गीत गाते हुए नगर के प्रमुख मार्गों में सामाजिक व राजनीतिक जनप्रतिनिधि, अनेकों संगठनों व धार्मिक सामाजिक लोगो ने भुजरिया अध्यक्ष निखिल शुभम कुशवाह, एवं समिति के उपाध्यक्ष विजय कुशवाह, सचिव सुज्जल लल्ला कुशवाहा का पुष्प माला एवं साफा पहनाकर स्वागत सम्मान किया। भुजरिया चल समारोह में सम्मिलित कुशवाहा समाज जिला अध्यक्ष नरेंद्र कुशवाहा पूर्व पार्षद, पटेल दलकिशोरी कुशवाहा, अमरचंद कुशवाहा पटेल, गब्बू कुशवाहा, नेमचंद कुशवाहा, ताराचंद कुशवाहा, राजेश कुशवाहा ठेकेदार, भागीरथ कुशवाहा, बालमुकुंद कुशवाहा, अनिल कुशवाहा, दिनेश कुशवाहा, आनंद कुशवाहा, मनोज कुशवाहा, सुशील कुशवाहा, रवि कुशवाहा, हिमांशु कुशवाह, आदि का पुष्प वर्षा कर स्वागत सम्मान किया। भुजरिया चल समारोह प्राचीन शंकर मंदिर पहुंचने पर मां पार्वती नदी के तट पर भुजरिया विसर्जन कर सम्पन्न हुआ।

मालवा में भुजरिया त्यौहार अच्छी बारिश, अच्छी फसल, सुख-शांति और आपसी भाईचारे की कामना के लिए मनाया जाता है, और यह एक सामाजिक परंपरा भी है जिसमें लोग एक-दूसरे को भुजरिया बाँटकर शुभकामनाएं देते हैं और आशीर्वाद लेते हैं। भुजरिया पर्व आपसी सद्भाव, प्यार और भाईचारे को बढ़ावा देता है, क्योंकि लोग एक-दूसरे को भुजरिया देते हैं और आशीर्वाद लेते हैं। एक कथा के अनुसार, यह त्यौहार आल्हा-ऊदल के समय से जुड़ा है जब उनकी बहन चंदा ने मायके आकर नगरवासियों ने कजलियों से उनका स्वागत किया था।

श्रावण मास में घरों में गेहूं की भुजरिया बोई जाती हैं। रक्षाबंधन के अगले दिन इन भुजरियों की पूजा की जाती है। लोग इन भुजरियों को एक-दूसरे को देकर शुभकामनाएं देते हैं और बुजुर्गों से आशीर्वाद लेते हैं। अंत में, इन भुजरियों को जल स्रोतों में विसर्जित किया जाता है।

अपने भाइयों की कलाइयों पर बहनों ने बांधा प्रेम का धागा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोहागपुर

क्षेत्र में शनिवार को रक्षाबंधन पर्व हर्ष व उल्लास के साथ मनाया गया। इस वर्ष रक्षाबंधन के पर्व पर दिनभर विभिन्न मुहूर्त रहे। एवं सभी मुहुर्तों में बहनों ने भाईयों की कलाईयों पर प्रेम का धागा रक्षा सूत्र के रूप में बांधा। भाईयों ने भी बहनों के चरण स्पर्शकर शुभाशीष लिया एवं यथायोग्य उपहार प्रदान किए। साथ ही बहनों को भाईयों ने सुरक्षा का वचन दिया। देर रात तक क्षेत्र में बहनों द्वारा भाईयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधने का क्रम जारी रहा। वहीं बाजार में भी इस अवसर पर भारी भीड़ नजर आई।

बहनें जहां भाईयों के लिए राखी, रुमाल व मिष्ठान क्रय करती नजर आईं, वहीं भाई भी बहनों के लिए उपहार सामग्री क्रय करते देखे गए।

मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना से हुआ बालक का उपचार

नर्मदापुरम। मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना का उद्देश्य हृदय रोग से पीड़ित बच्चों को निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराना है। इसी योजना के अंतर्गत माखननगर तहसील के ग्राम आंचलखेड़ा निवासी ढाई वर्षीय नमन यादव का सफल ऑपरेशन किया गया, जिससे उसे नया जीवन मिला। नमन जन्म से ही हृदय रोग से पीड़ित था। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) की माखननगर स्वास्थ्य टीम द्वारा नमन की बीमारी की पहचान की गई और उसे उपचार हेतु एल.एन. मेडिकल कॉलेज एवं जे.के. हॉस्पिटल भोपाल भेजा गया। जहां उसकी सफल सर्जरी की गई। इस दौरान उपचार का पूरा खर्च राज्य सरकार द्वारा वहन किया गया। नमन अब पूरी तरह स्वस्थ है और अपने घर पर है। नमन के पिता रामकृष्ण यादव ने शासन से मिली मिली मदद के लिए आभार व्यक्त किया।

नगरपालिका कर रही हर घर तिरंगा अभियान के प्रति नागरिकों को जागरूक

राष्ट्रध्वज गौरवशाली राष्ट्र की अस्मिता, स्वाभिमान का प्रतीकः मेवाडा

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत नगरपालिका द्वारा नागरिको को जागरूक करने एवं प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा की विशेष उपस्थिति मे उनके हाथों से डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी मैदान पर पुलिस, आर्मी और अग्निवीर की तैयारी कर रहे आष्टा अंचल के गौरवशाली युवक-यवतियों राष्ट्रप्रेम की भावनाओं को बढ़ाने के लिए तिरंगे झंडे वितरित किए। नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ने उपस्थित युवक-युवतियों से आग्रह करते हुवे कहा कि आपको भेंट किए गए झंडे हमारे देश की शान है। श्री मेवाड़ा ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री जी के आह्वान पर हर-घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा अभियान विगत 3 वर्षों से देशभर में जन-जन का अभियान बन चुका है। राष्ट्रध्वज तिरंगा हमारे गौरवशाली राष्ट्र की अस्मिता और स्वाभिमान का प्रतीक है। नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ने सभी नगरवासियों से अपील करते हुवे कहा कि माँ भारती के वैभव को प्रदर्शित कर रहे इस अभियान में सहभागी होकर अपने - अपने घरों और प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहराएँ. इस अवसर पर मुख्य नगरपालिका अधिकारी विनोदकुमार प्रजापति, सिटी मिशन मैनेजर महेन्द्र पोसवाल, कुशलपाल लाला, ट्रैनर राकेश मेवाड़ा सहित बड़ी संख्या मे युवक-युवतियाँ मौजूद थे।

पीएम आवास योजना में 1 लाख 80 हजार की मिलेगी सब्सिडी

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

अपने घर का सपना हर कोई देखता है, लेकिन इसे साकार करना इतना आसान नही होता। आपके इस सपने को साकार करने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के तहत अब ब्याज सब्सिडी योजना प्रारंभ की गई है, जिसके माध्यम से पात्र हितग्राही आवास क्रय या निर्माण करने के लिए गृह ऋण पर अधिकतम 1 लाख 80 हजार रूपये तक की ब्याज सब्सिडी प्राप्त कर सकते है। नपा सीएमाओ विनोदकुमार प्रजापति ने जानकारी देते हुए बताया कि अपने सपनों का घर बनाना एक महंगा काम है। इस सपने को साकार करने व हर गरीब को अपने सपनों का घर आसानी से मिल सकें, इसके लिए केन्द्र सरकार द्वारा ब्याज सब्सिडी योजना की शुरूआत की है। अब प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी पीएमएवाई-2.0 की ब्याज सब्सिडी योजना आईएसएस के साथ होम लोन चुकाने के लिए आसानी से होम लोन सब्सिडी का लाभ उठा सकते हैं। सीएमओ श्री प्रजापति ने बताया कि सोमवार 11 अगस्त से नगर में मौजूद सभी बैंकों से समन्वय स्थापित कर शिविर आयोजित कर नगरवासियों को इस योजना का लाभ दिलाने हेतु निकाय स्तर पर प्रयास किए जाएंगे। मुख्य नपा अधिकारी ने योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि ऐसे परिवार जिनकी अधिकतम वार्षिक आय 9 लाख तक हो वह पात्रता की श्रेणी में आएंगे। वहीं गृह ऋण की अधिकतम राशि 25 लाख रूपये निर्धारित की गई है तथा आवास का अधिकतम मूल्य 35 लाख तक है। बनने वाले आवास का अधिकतम क्षैत्रफल 120 वर्गमीटर रहेगा, वहीं ब्याज सब्सिडी 4 प्रतिशत प्रतिवर्ष के हिसाब से शासन द्वारा निर्धारित की गई है जो 1 लाख 80 हजार रूपये रहेगी।